दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik  asliazadidainikofficial

# असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 275 ■ दमण, मंगलवार 21, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

### मानसून सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वक्तव्य

## आशा है कि इस सत्र में सार्थक चर्चाएं होंगी जो भारत के विकास पथ को सुदृढ़ करेंगी: पीएम मोदी

■ चाहे मानसून हो या मानसून सत्र, जब दोनों सक्रिय होते हैं, तो वे अत्यधिक उत्पादक होते हैं और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देते हैं, इसीलिए हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून सक्रिय रहे और मानसून सत्र उत्पादक रहे: पीएम मोदी ■ पिछले एक महीने में, देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं जिन्होंने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है, चाहे राष्ट्रीय स्तर पर हो, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो या अब अंतरिक्ष में भी, भारत ने अपार गौरव के क्षणों का अनुभव किया है: पीएम मोदी ■ पश्चिम एशिया में युद्ध ने भारत जैसे देश के लिए एक बड़ी चुनौती पेश की, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है, फिर भी, चुनौतियों के बावजूद, भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित होता रहा, यह भारत की शक्ति और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है: पीएम मोदी ■ संसद का सुचारू संचालन, सार्थक चर्चाएँ और देश को आगे ले जाने का सामूहिक संकल्प समय की आवश्यकता है, यह भारत के युवाओं की भी आकांक्षा है, जो महत्वाकांक्षा से भरे हुए हैं और चाहते हैं कि राष्ट्र निरंतर प्रगति करता रहे: पीएम मोदी

पीआईबी, नई दिल्ली, 20 जुलाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद परिसर में मानसून सत्र 2026 के पहले दिन मीडिया को संबोधित किया। नए संसदीय सत्र के प्रारंभ में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए, प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक मौसम के स्वरूप और विधायी उत्पादकता के बीच एक सार्थक तुलना प्रस्तुत की। राष्ट्र के समग्र कल्याण पर दूरदर्शी और प्रगतिशील कार्यों के गहन प्रभाव पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि अंततः सभी प्राणियों को लाभ पहुंचाने वाले अत्यंत सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून सक्रिय रहे और मानसून सत्र भी उत्पादक हो। प्रधानमंत्री ने पिछले एक महीने में हासिल की गई असाधारण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों की श्रृंखला का उल्लेख करते हुए देश की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर अपार गर्व व्यक्त किया। उन्होंने पिछले वर्ष के सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने की घटना को याद करते हुए निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट की हालिया ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। मात्र 28 वर्ष की औसत आयु वाली एक टीम द्वारा देश को निजी अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए युग में सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के अविश्वसनीय तथ्य की प्रशंसा करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये उपलब्धियां राष्ट्रीय आत्मविश्वास को बहुत बढ़ाती हैं। श्री मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं द्वारा संचालित इन स्टार्टअप्स ने अंतरिक्ष में भारत का ध्वज मजबूती से स्थापित किया है जिससे हमारे देश की छवि सार्वभौमिक और विश्वव्यापी हो गई है। श्री मोदी ने हाल ही में हासिल की गई इन तकनीकी उपलब्धियों को राष्ट्र की असीम क्षमता का संकेत बताते हुए घोषणा की कि वर्तमान पीढ़ी की क्षमताएं पूर्णतः असीमित हैं। उन्होंने इन ऐतिहासिक सफलताओं को पूरे देश के लिए आगे बढ़ने का सर्वोच्च प्रेरणा स्रोत बताया। श्री मोदी ने कहा कि यह एक सशक्त संदेश है कि हमारे युवाओं की क्षमता और आकांक्षाएं अंतरिक्ष की तरह ही असीमित हैं। प्रधानमंत्री ने इन अभूतपूर्व उद्यमशीलता की सफलताओं के मूल कारणों का पता लगाते हुए सरकार के त्वरित और परिवर्तनकारी नीतिगत बदलावों को श्रेय दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रगतिशील वातावरण सीधे तौर पर युवा नवप्रवर्तकों को बड़े जोखिम उठाने और अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। श्री मोदी ने कहा, देश ने आज जिस सुधार की राह पर तेजी से कदम रखा है, उसी का परिणाम है कि हमारे युवा इतना साहस दिखा पा रहे हैं और सफल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए कई महत्वपूर्ण उद्घाटनों का विवरण देते हुए राजस्थान में हाल ही में शुरू हुई एक बड़ी तेल रिफाइनरी, देश के तीसरे सेमीकंडक्टर संयंत्र और दुनिया की सबसे लंबी और सबसे शक्तिशाली हरित हाइड्रोजन ट्रेन के शुभारंभ का उल्लेख किया। उन्होंने इन अत्याधुनिक राष्ट्रीय संपत्तियों का श्रेय देश के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और श्रमिकों के एकजुट समर्पण और अथक परिश्रम को दिया। श्री मोदी ने कहा कि यह हमारे उन नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और श्रमिकों का प्रत्यक्ष परिणाम है जो एक ही लक्ष्य के साथ देश के लिए जी रहे हैं और काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों से उत्पन्न गंभीर वैश्विक चिंताओं को स्वीकार करते हुए इस बात का उल्लेख किया कि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरक और रसायन आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यापक व्यवधान ऊर्जा पर निर्भर राष्ट्र के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। इन तीव्र अंतर्राष्ट्रीय बाधाओं के बावजूद, उन्होंने देश की अभूतपूर्व 7.7 प्रतिशत विकास दर को इसके लचीलेपन और क्षमता का प्रमाण बताते हुए गर्व व्यक्त किया। विधायी एजेंडा की ओर बढ़ते हुए उन्होंने सभी अनुभवी सांसदों से इस तीव्र राष्ट्रीय गति का लाभ उठाने का आग्रह किया और देशभक्ति को प्राथमिकता देते हुए तथ्यों पर आधारित गहन रचनात्मक बहसों का आह्वान किया, जिसमें प्रत्येक आवाज और विचार का सम्मान सुनिश्चित हो। सांसदों के लिए स्पीकर के सुबह के सोशल मीडिया स्वागत संदेश को दोहराते हुए उन्होंने विघटनकारी तूफानों से मुक्त सार्थक चर्चाओं का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा, जहां ठोस तथ्य और तर्क होते हैं, वहां व्यवधानों के लिए कोई जगह नहीं होती; शांत मन से भी सशक्त आवाज उठाई जा सकती है जो आत्मविश्वास के साथ राष्ट्र को आगे ले जाए।

## प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत संघ प्रदेश थ्रीडी को मिला बेस्ट परफॉर्मिंग यूनियन टेरिटरी का राष्ट्रीय सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सचिव एवं स्टेट मिशन डायरेक्टर के दिशा-निर्देशन में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एचपीआर) एवं हेल्थकेयर फैसिलिटीज रजिस्ट्री (एचएफआर) सैचुरेशन श्रेणी में संघ प्रदेश थ्रीडी को बेस्ट परफॉर्मिंग यूनियन टेरिटरी के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल तथा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. तपन देसाई ने संघ प्रदेश की ओर से यह सम्मान प्राप्त किया।

### खराब मौसम के चलते दमण एयरपोर्ट पर हवाई सेवा प्रभावित

## दिल्ली से दमण आ रही फ्लाइट को किया गया डायवर्ट, अहमदाबाद में हुई सुरक्षित लैंडिंग

■ यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया फैसला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 जुलाई। खराब मौसम और बेहद कम दृश्यता (लो विजिबिलिटी) के कारण सोमवार सुबह दिल्ली से दमण आ रही एलायंस एयर की फ्लाइट (9I-811) दमण एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर सकी। जिसके बाद पायलट ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से दमण आ रही एलायंस एयर की फ्लाइट आज सुबह दमण पहुंची लेकिन दमण और उसके आस-पास के इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण दृश्यता शून्य के बराबर होने के चलते लैंडिंग नहीं हो पायी। हालांकि पायलट ने दमण के आसमान में चक्कर लगाते हुए दो बार सुरक्षित लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन मौसम अनुकूल न होने के कारण कामयाबी नहीं मिली। दमण एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क करने के बाद फ्लाइट को तुरंत अहमदाबाद डायवर्ट किया गया, जहां विमान को सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया और सभी यात्रियों को उतारा गया। वहीं बताया गया है कि मौसम में सुधार न होने और विमान के दिल्ली वापस लौट जाने के कारण, एयरलाइन ने अहमदाबाद से दमण की कनेक्टिंग फ्लाइट और आगे की सेवाओं को पूरी तरह रद्द कर दिया। इस वजह से करीब 40 यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

## दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने वापी-वलसाड औद्योगिक प्रदूषण एवं दमणगंगा, कोलक, बिलखाड़ी नदियों की सुरक्षा का संसद में उठाया मुद्दा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 20 जुलाई। दमण-दीव लोकसभा क्षेत्र के सांसद उमेश पटेल ने आज लोकसभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 155 के माध्यम से गुजरात के वापी-वलसाड औद्योगिक क्षेत्र से दमणगंगा, कोलक एवं बिलखाड़ी नदियों तथा तटीय क्षेत्रों में फैल रहे औद्योगिक प्रदूषण का अत्यंत गंभीर मुद्दा उठाया। अपने प्रश्न में सांसद उमेश पटेल ने सरकार से यह जानकारी मांगी कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं अन्य न्यायालयों द्वारा वर्ष 2000 से अब तक दिए गए आदेशों का अनुपालन किस स्थिति में है, वर्ष 2019 के पुनरुद्धार आदेश के बाद क्या कार्रवाई हुई, कितने नए रासायनिक एवं औषधि उद्योगों को पर्यावरणीय स्वीकृतियां दी गईं तथा गंभीर रूप से प्रदूषित क्षेत्र होने के बावजूद नए उद्योगों को अनुमति देने में कौन-सी अतिरिक्त शर्तें लागू की गईं। सरकार ने अपने उत्तर में स्वीकार किया कि वापी- वलसाड क्षेत्र के औद्योगिक प्रदूषण को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं तथा इस विषय पर एनजीटी में मामला विचाराधीन रहा है। उत्तर में यह भी बताया गया कि वर्ष 2019 से अब तक वापी औद्योगिक क्षेत्र में 82 परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी (Environmental Clearance) प्रदान की गई है। साथ ही यह भी स्वीकार किया गया कि वापी क्षेत्र को गंभीर रूप से प्रदूषित क्षेत्र (Critically Polluted Area) के रूप में चिन्हित किया गया है। इस अवसर पर सांसद उमेश पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा दी गई जानकारी कई महत्वपूर्ण प्रश्नों को जन्म देती है। यदि क्षेत्र पहले से ही गंभीर रूप से प्रदूषित है और NGT द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए कड़े निर्देश दिए जा चुके हैं, तो ऐसे क्षेत्र में लगातार नई पर्यावरणीय स्वीकृतियां देना गंभीर नीति-गत प्रश्न है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य, नदियों, भूजल तथा समुद्री पारिस्थितिकी की कीमत पर किसी भी प्रकार का विकास स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि वे इस विषय को केवल संसद तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि संबंधित मंत्रालय, CPCB, GPCB तथा अन्य सक्षम प्राधिकरणों के समक्ष भी इस मामले को लगातार उठाते रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर आगे और संसदीय एवं कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी, ताकि दमणगंगा, कोलक और बिलखाड़ी नदियों को प्रदूषण से मुक्त कराया जा सके तथा भविष्य में पर्यावरणीय कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो।

## भीमपोर ग्राम पंचायत एवं युवा क्रांति फाउंडेशन के सहयोग से 500 वृक्षारोपण का लक्ष्य पूर्ण: कडैया श्मशान में किया गया वृक्षारोपण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 जुलाई। भीमपोर ग्रुप ग्राम पंचायत द्वारा युवा क्रांति फाउंडेशन के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आज कडैया श्मशान भूमि में एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के साथ पूरे अभियान के दौरान कुल 500 पौधों का रोपण सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस अभियान का उद्देश्य हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण करना तथा आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और हराभरा भविष्य प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में भीमपोर सरपंच उदय पटेल, कडैया ग्राम पंचायत के सरपंच शंकर पटेल, पूर्व सरपंच गजु पटेल तथा कडैया गांव के युवाओं ने विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा ग्राम पंचायत के सदस्यों, युवा क्रांति फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर वृक्षों के संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि केवल वृक्ष लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण के माध्यम से ही पर्यावरण की वास्तविक रक्षा संभव है। भविष्य में भी ऐसे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

## वर्धा में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार अलसुबह कार और ट्रक की टक्कर में 05 लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ट्रक चालक की मौत इलाज के दौरान हुई। ट्रक का क्लीनर गंभीर रुप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया, कि दुर्घटना सोमवार तड़के करीब तीन बजे विरुल गांव के समीप हुई। पुलिस के मुताबिक एथनॉल ले जा रहा एक कंटेनर ट्रक एक्सप्रेसवे पर पलट गया था, जिसके चलते मुंबई- नागपुर मार्ग पर यातायात ठप हो गया। इसके कुछ देर बाद ही उसी स्थान पर एक ट्रक ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वाले लोगों में से चार वर्धा ज़िले के एक ही परिवार के सदस्य थे, जो कार में सवार थे। हादसे के बाद हाईवे सेफ्टी पेट्रोल (एचएसपी), वर्धा पुलिस, फायर ब्रिगेड और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम की टीमें घटना स्थल पर पहुंचीं और बचाव व राहत कार्य के साथ ही यातायात बहाली का कार्य शुरू किया। अधिकारियों का कहना था कि इथेनॉल कंटेनर होने के चलते अत्याधिक सावधानी बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं ट्रक का क्लीनर गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतकों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और टक्कर की तीव्रता को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर यह हाल के समय में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

## सेल्फी खिंचवा रहे 6 युवकों को हाईवा ने रौंदा, 4 की मौत दो गंभीर रूप से घायल

नरसिंहपुर (एजेंसी)। नरसिंहपुर जिले में रविवार शाम जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, छह दोस्त तिनशीला वॉटरफॉल से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे सेल्फी ले रहे थे। तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतकों में राजेंद्र पटेल, वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल लोधी (21) और जयपाल लोधी (30) शामिल हैं। घायल आकाश लोधी (24) और नीरज लोधी (25) का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार हाईवा चालक की तलाश शुरू कर दी है।

## सड़क पर घायल पड़ी थी युवती, केंद्रीय मंत्री ने अपनी गाड़ी से पहुंचवाया अस्पताल

जालंधर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पंजाब दौरे में इंसानियत की मिसाल पेश की। अमृतसर दौरे के बाद जब वह जालंधर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में माथा टेकने पहुंचे, तभी रास्ते में सड़क हादसे में घायल युवती को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जानकारी के मुताबिक चिराग पासवान ने घायल युवती की मदद करते हुए उसे तुरंत अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज शुरु हो गया। उनके इस मानवीय कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान डेरा सचखंड बल्लां में संत निरंजन दास का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान के सपने को पूरा करने की बात भी दोहराई। उन्होंने संकेत दिए कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी और आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी।

## अभिषेक बनर्जी का आरोप, तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा के इशारे पर उनके अमतला स्थित कार्यालय से चोरी की है। यह बयान उनके कार्यालय भवन के हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर से गिरने के एक दिन बाद आया, जिस पर बिना मंजूरी के बने होने का आरोप था। हालांकि, घटना के तुरंत बाद कोलकाता हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ पर रोक लगाकर अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दावा किया कि पुलिसकर्मी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिल उनके दफ्तर से लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, मेज, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रहे थे। उन्होंने इस घटनाक्रम को तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी करार दिया, जो हाईकोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद कानून का कोई सम्मान किए बिना की गई। टीएमसी सांसद ने पलटवार कर कहा कि अमतला का यह पार्टी कार्यालय खरीदी गई जमीन पर सभी आवश्यक मंजूरियों के साथ कानूनी तरीके से बनाया गया था। उन्होंने भाजपा का बुलडोजर मॉडल बताया, जो चुनाव से पहले उनकी अन्नपूर्णा भंडार योजना की जगह ले रहा है। अभिषेक ने कहा कि पार्टी इस मामले को कलकत्ता हाईकोर्ट ले जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के ओएसडी को वीडियो भेजने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

## लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग, कई गाड़ियां पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के वीआईपी इलाके में स्थित जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। आग लगते ही कर्मचारी व लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

# भारत ने जारी की एडवाइजरी कहा- तत्काल वापस आएं स्वदेश

### ईरान और अमेरिका के बीच भयंकर युध्द की आशंका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर भड़की युद्ध की आग ने पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को गंभीर बना दिया है। अमेरिका पिछले सप्ताह से लगातार ईरान पर हमलावर है, और जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, जिससे तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, फिलहाल ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी जल्द से जल्द वहां से बाहर निकलने की अपील की गई है, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी इस ट्रैवल एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान में अस्थिरता और हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे माहौल में किसी भी उद्देश्य से यात्रा करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। भारतीय दूतावास ने किसी भी उद्देश्य से ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि जब तक सुरक्षा माहौल में उल्लेखनीय सुधार नहीं हो जाता, वे अपनी यात्रा स्थगित कर दें। वहीं, जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, उनके लिए दूतावास ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स का इस्तेमाल कर वहां से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश करें।

इसके अलावा, दूतावास ने ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए भी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है जो अब भी ईरान में ही रुकने की योजना बना रहे हैं, या जिनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में ईरान से निकलना संभव नहीं है। दूतावास ने ऐसे नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने, पल-पल की खबरों पर बारीकी से नजर रखने और युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ईरान के दक्षिणी तट से पूरी तरह दूर रहने को कहा है। सभी नागरिकों से यह भी अपील की गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में यह भी सलाह दी है कि सभी भारतीयों को भारतीय दूतावास के साथ अपना पंजीकरण कराना चाहिए। साथ ही, आगे के अपडेट्स और महत्वपूर्ण जानकारी के लिए दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क में रह सकें।

## मुंबई में कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं। सूचना मिलते ही रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, हेल्पलाइन नंबर 112 पर बृजेश कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि उसने तीन लोगों को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की योजना पर बातचीत करते हुए सुना है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए ठाणे पुलिस ने तत्काल मुंबई सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क किया। अलर्ट जारी होने के बाद जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीमों ने दोनों रेलवे स्टेशनों पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी अस्थायी रूप से बढ़ा दी गई ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई जीआरपी ने मीडिया को बताया कि विस्तृत तलाशी के बावजूद किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे फिलहाल यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रेलवे स्टेशनों पर परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। पुलिस अब धमकी संबंधी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने और उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि सूचना वास्तविक थी या किसी ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हाल के समय में सार्वजनिक स्थलों और रेलवे परिसरों को निशाना बनाकर मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रत्येक इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं। यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को देने की अपील की गई है।

## विजय सरकार का फैसला, सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

**–बोर्ड पर स्पष्ट लिखा होगा– रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है**

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

## कौशल ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति: मुख्यमंत्री योगी

### – विश्व युवा कौशल दिवस पर योगी की पाती में आह्वान : हर युवा एक कौशल सीखे, बने नौकरी का प्रदाता

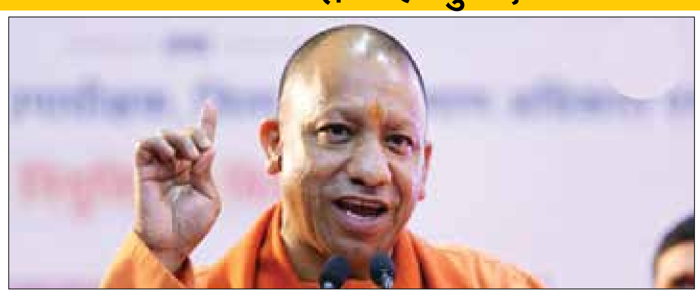

**लखनऊ (एजेंसी)।** विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक विशेष संदेश दिया है। अपनी योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें। उनका मानना है कि यह हुनर केवल नौकरी दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वयं रोजगार के अवसर पैदा करने वाला भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अनेक युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियों से उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला उत्तर प्रदेश विकसित भारत और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस विश्वास का आधार कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति को बताया, जहां भगवान श्रीराम के जीवन और भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से लेकर ज्ञान और कार्यकुशलता की परंपरा समाज को आगे बढ़ाती रही है। राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, वहीं कौशल सखी और कौशल साथी जैसी नई पहलें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हब बन रहा है। एक जनपद-एक उत्पाद योजना ने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है, जबकि टेक युवा-समर्थ युवा पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पॉलीटेक्निक संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा और फिनिशिंग स्कूल जैसी योजनाएं युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ किसी एक कौशल में दक्षता हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कौशल उन्हें केवल रोजगार दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में करोड़ों युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमाण बताया। अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल विकास योजनाओं का लाभ उठाने और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।

## कांग्रेस-सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

### -जनसभा में बार-बार माइक बंद होने पर ओवैसी बोले- साउंड वाला भी बीजेपी की बी टीम

सहारनपुर(एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। बीजेपी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार-बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढ़कर ओवैसी को सुनते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे। ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 12 सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

# शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

## भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करुंगी : किरण बेदी

**–कानपुर में किरण बेदी का बड़ा बया**

**कानपुर (एजेंसी)।** भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इनसे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने 77वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है। इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली करने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह 14 साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं। इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने यहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

# आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहे: पीएम मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते।। भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उस पूर्ण समर्थन या नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

पीएम मोदी की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था- महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने संस्कृत श्लोक, देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥ शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी श्रद्धापूर्वक उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी है। वे अविनाशी अनंत तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

# संसद में सवाल, बाहर बवाल: चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

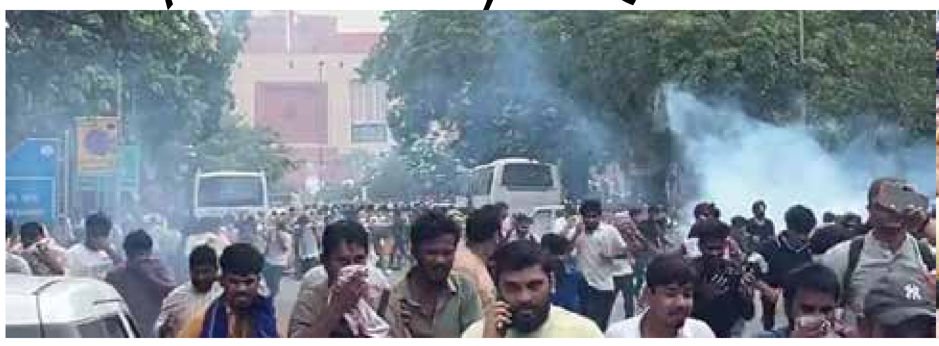

**■ विपक्ष के आक्रामक रूख के कारण छह बार स्थगित करनी पड़ी संसद की कार्रवाई...कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद चलो' अभियान को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर से लेकर संसद तक मचा रहा हंगामा, युवाओं को रोकने पलिस ■ शांतिपूर्ण मार्च पर बरसी आंसू गैस की गोलियां और लाठियां ■ खडग़े बोले: जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार ■ जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद सीजेपी बोली-मांगें पूरी नहीं होने तक जारी रहेगा प्रदर्शन**

नई दिल्ली(ईएमएस)। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खडग़े ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खडग़े ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकठ्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दोपहर 3 बजे लोकसभा का कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' अभियान को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर से लेकर संसद तक हंगामा मचा रहा। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड्स पार करके संसद की ओर बढने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जमा हुए, जहां विपक्षी नेता प्रदर्शन में शामिल हुए, हालांकि बाद में जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हटा दिया और जंतर मंतर खाली करवा दिया। इस बीच सीजेपी के संसद चलो अभियान का असर संसद की कार्यवाही पर भी दिखी। इस मुद्दे पर संसद में भी हंगामा होता रहा और कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गयी। दूसरी ओर केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों से संपर्क साधकर समाधान निकालने का प्रयास किया है। सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। नड्डा ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस मामले पर आंतरिक रूप से चर्चा करेंगे। सौरव दास ने कहा है कि सीजेपी की मांगे जब तक मानी नहीं जातीं, तब तक सीजेपी की प्रदर्शन जारी रहेगा।

**50 लोगों के सिर फोड़ दिए**

कॉकरोच जनता पार्टी ने दावा किया कि उसके नेता अभिजीत दीपके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस दावे से इनकार किया है। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में एक 12 वर्षीय लडक़ी पर हमला हुआ और 40 से 50 प्रदर्शनकारियों के सिर फूट गए। उन्होंने दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए कार्रवाई पर सवाल उठाए। जवाब में दिल्ली पुलिस ने इन सभी आरोपों को गलत और भ्रामक बताया।

**पांच मेट्रो स्टेशन बंद, यात्री फंसे**

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सीजेपी के पार्लियामेंट मार्च को लेकर सुरक्षा चिंताओं के कारण सोमवार को पांच मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए, जिससे सैकड़ों यात्रियों को परेशानी हुई। गेट बंद रहने के कारण राजीव चौक, पटेल चौक और दूसरे स्टेशनों पर भीड़ जमा हो गई। कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो परिसर के अंदर इक_ा हुए और नारे लगाए, जबकि पटेल चौक स्टेशन के पास सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

**शास्त्री भवन के पास छोड़े गए आंसू गैस के गोले**

सूत्रों ने बताया कि सिक्योरिटी फोर्स ने शास्त्री भवन के पास आंसू गैस के गोले छोड़े, जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड तोडऩे और कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर की ओर मार्च करने की कोशिश की। हाई-सिक्योरिटी जोन में सिक्योरिटी कड़ी कर दी गई थी, जिसमें पुलिस और पैरामिलिट्री के जवानों की भारी तैनाती की गई थी। आस-पास के मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच रोक दी गई थी, कई गेट बंद कर दिए गए थे और अधिकारियों द्वारा एहतियाती कदम उठाए जाने के कारण यात्री फंसे हुए थे।

**खरगे ने लाठीचार्ज पर सरकार को घेरा**

इस बीच कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के मानसून सत्र के दौरान आरोप लगाया। सोमवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया और दावा किया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर लाठीचार्ज हुआ था। सदन को संबोधित करते हुए, खरगे ने कहा, यह छात्रों से जुड़ा मामला है; मैं लाखों बच्चों के भविष्य के बारे में बोल रहा हूं। इस कारण से हजारों छात्र जंतर-मंतर पर जमा हुए हैं। वहां लाठीचार्ज हुआ है। सरकार बल प्रयोग करने, आवाज दबाने और गाड़ी चलाने की कोशिश कर रही है। उन्हें दूर करो।

**मंगवाई अतिरिक्त पुलिसफोर्स**

संसद का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ। इसके पहले दिन ही संसद के गेट बंद कर दिए गए। ऐसा इस वजह से क्योंकि प्रदर्शनकारियों की एक बड़ी भीड़ नीट यूजी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की ओर मार्च कर रही है। सोशल मीडिया पर दिख रहे वीडियो में सुरक्षा अधिकारी गेट बंद करते और संसद परिसर में अपनी जगह लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीआईएसएफ के सूत्रो ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ उनकी उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन में लगभग 5000 लोग शामिल होंगे, लेकिन जंतर-मंतर से मार्च के लिए कम से कम 12000 लोग जमा हो गए हैं। खबरों के अनुसार, संसद के रास्ते में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों को पुलिस लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा और वे घायल भी हुए। इससे पहले सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस को सभी 14 जिलों में एक जरूरी संदेश भेजना पड़ा। इसमें हर जिले से तुरंत एक एसीपी रैंक के अधिकारी और 100 पुलिसकर्मियों को उस इलाके में तैनात करने के लिए कहा गया। यह तब हुआ जब नई दिल्ली जिले में पैरामिलिट्री फोर्स की 32 कंपनियां पहले से ही तैनात थीं।

**इस्तीफा, रिहाई और मुआवजा की मांग**

कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और तीन प्रमुख मांगें रखीं। पार्टी ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई समेत तीन मांगे रखी हैं। दूसरी मांग में पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने की मांग उठाई। वहीं तीसरी मांग के तहत नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की गई है। पार्टी का कहना है कि पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और इस मामले में सरकार को जवाबदेही तय करते हुए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

# रेड अलर्ट के बीच वलसाड में बारिश का कहर, 15 सड़कें बंद; 4 इंच बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

**■ समुद्र में हाई टाइड की चेतावनी, मगोदडूंगरी तट पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव ■ सीजन की कुल बारिश 954.29 मिमी पहुंची**

वलसाड, 20 जुलाई। भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी रेड अलर्ट के बीच सोमवार को वलसाड जिले में दिनभर मूसलाधार बारिश हुई। लगातार वर्षा से जिले के नदी-नाले, कोजवे और कच्चे मार्ग उफान पर आ गए, जिससे जनजीवन प्रभावित रहा। सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक वलसाड और पारडी तालुका में क्रमशः 105 मिमी और 107 मिमी (करीब 4 इंच) बारिश दर्ज की गई। इस दौरान जिले में औसतन 57.71 मिमी वर्षा हुई, जबकि मानसून सीजन की कुल औसत वर्षा 954.29 मिमी तक पहुंच गई।

मूसलाधार बारिश के कारण जिले में मार्ग एवं भवन (पंचायत) विभाग के अधीन आने वाली कुल 15 सड़कों को यातायात के लिए बंद करना पड़ा। इनमें पारडी तालुका की 7, वलसाड की 6 तथा नानापोढ़ा और उमरगाम की एक-एक सड़क शामिल हैं। अधिकांश स्थानों पर कोजवे के ऊपर से पानी बहने और सड़कों पर जलभराव होने के कारण यह निर्णय लिया गया।

बंद किए गए प्रमुख मार्गों में उमरगाम का टेम्भी-वारोली रिवर से महादेव मंदिर मार्ग, वलसाड में राष्ट्रीय राजमार्ग-8 से वासन मुख्य मार्ग होते हुए जेसिया घोल फलिया रोड, वांकल ब्राह्मण फलिया रोड, रोणवेल तंताडिया फलिया रोड, कुंडी मामेरावाड-हाजी तालाव-आंदरगोटा मार्ग तथा पालन-खजूरडी नई नगरी मार्ग शामिल हैं। वहीं पारडी में उमरसाड़ी नई नगरी-गंगाजी जॉइनिंग रोड, पारडी पोणिया-पलसाणा गंगाजी रोड, उमरसाड़ी वाड़ी फलिया-पटेल फलिया मार्ग, सुकेश कनुभाई देसाई क्रिकेट ग्राउंड से नई नगरी भगत फलिया मार्ग, बालदा बावरी फलिया-सुखलाव रोड और कुंभारिया माकड़ा फलिया-सुखलाव रोड सहित कई मार्ग बंद किए गए हैं। नानापोढ़ा में लवाछा केसली फलिया से गोदाम फलिया मार्ग भी जलभराव के कारण बंद रहा। प्रशासन ने इन सभी मार्गों पर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही रोकने के लिए पुलिस का विशेष बंदोबस्त तैनात किया है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो सके।

मौसम विभाग द्वारा शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक समुद्र में हाई टाइड की चेतावनी जारी किए जाने के बाद वलसाड ग्रामीण मामलतदार और नगर पालिका प्रशासन ने समुद्र तटीय क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती। मछुआरों और स्थानीय लोगों को समुद्र किनारे नहीं जाने तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई।

दिनभर की बारिश के बीच वलसाड तालुका के मगोदडूंगरी गांव स्थित समुद्र तट पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिले के कई निचले इलाकों में जलभराव और तेज बहाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी-नालों और बंद किए गए कोजवे के पास नहीं जाने तथा मौसम विभाग और जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। मौसम विभाग ने आगामी घंटों में भी जिले के कुछ हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

**4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लिए उपयोगी: चारों डेंगू वायरस सीरोटाइप से सुरक्षा का दावा**

# डेंगू से जंग में भारत को मिली पहली वैक्सीन, क्यूडेंगा को मंजूरी

नई दिल्ली/इंदौर (ईएमएस)। डेंगू की रोकथाम के क्षेत्र में भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने टाकेडा की डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को देश में बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। यह भारत में मंजूरी पाने वाली पहली डेंगू वैक्सीन है। यह मंजूरी ऐसे समय मिली है, जब पिछले दो दशकों में देश में डेंगू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वैक्सीन को 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में डेंगू संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वीकृति मिली है। खास बात यह है कि इसे लगाने से पहले डेंगू संक्रमण की जांच कराने की जरूरत नहीं होगी।

क्यूडेंगा को डेंगू वायरस के सभी चार सीरोटाइप से सुरक्षा देने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। कंपनी के अनुसार, यह वैक्सीन उन लोगों के लिए भी उपयोग की जा सकती है जिन्हें पहले डेंगू संक्रमण हो चुका है और उनके लिए भी जिन्हें संक्रमण नहीं हुआ है। टाकेडा के अनुसार, वैक्सीन के वैश्विक परीक्षणों में 28 हजार से अधिक लोगों को शामिल किया गया। फेज-3 टाइड्स (DEN-301) अध्ययन में वैक्सीन ने डेंगू संक्रमण और इसके कारण अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम के खिलाफ प्रभावशीलता दिखाई।

क्यूडेंगा को भारत सहित दुनिया के 43 देशों में मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी के अनुसार, अब तक सार्वजनिक और निजी टीकाकरण कार्यक्रमों के माध्यम से इसकी 3.2 करोड़ से अधिक डोज वितरित की जा चुकी हैं। टाकेडा ने बताया कि भारत में मंजूरी के लिए किए गए फेज-3 अध्ययन में भारतीय प्रतिभागियों पर वैक्सीन की सुरक्षा और प्रतिरोधक क्षमता का मूल्यांकन किया गया था।

डेंगू मच्छरों से फैलने वाला वायरल रोग है और भारत में हर साल बड़ी संख्या में लोग इससे प्रभावित होते हैं। शहरीकरण, बदलता मौसम और मच्छरों की बढ़ती संख्या के कारण डेंगू का खतरा लगातार बना हुआ है। अभी तक डेंगू के लिए कोई विशेष एंटी-वायरल उपचार उपलब्ध नहीं है, इसलिए रोकथाम को महत्वपूर्ण माना जाता है। वैक्सीन की उपलब्धता के साथ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मच्छर नियंत्रण, निगरानी और जन-जागरूकता जैसे उपायों के साथ टीकाकरण डेंगू नियंत्रण की रणनीति को और मजबूत कर सकता है।

# मुंबई में 23 जुलाई से 6 अगस्त तक धारा 37 लागू

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मुंबई पुलिस ने 23 जुलाई से 6 अगस्त तक पूरे शहर में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू करने का फैसला किया है। पुलिस को विभिन्न गोपनीय स्रोतों से मिली सूचनाओं के आधार पर आशंका जताई गई है कि इस दौरान कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है तथा जन-धन की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसी को देखते हुए एहतियातन यह आदेश जारी किया गया है। पुलिस के आदेश के अनुसार, 23 जुलाई की रात 12.01 बजे से 6 अगस्त की रात 12.00 बजे तक पूरे मुंबई शहर में पांच या उससे अधिक लोगों के बिना अनुमति एकत्र होने और अवैध रूप से जुलूस या प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा।


**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGED MY NAME FROM RAJUBHAI GOHIL / RAJESH GOHEL TO **RAJESHBHAI BHIKHABHAI GOHEL** DOCUMENT.
ADDRESS : ROW HOUSE, B-5, PARK CITY SOCIETY, KILVANINAKA, SILVASSA - 396230

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM MEENAL DINESH SHRISHRIMAL TO NEW NAME **MINAL DINESH SHAH**
ADD. : J B PALACE, TIRUPATI NAGAR, TOKARKHADA, SILVASSA-396230, UT OF DNH&DD

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM DINESH JETHMAL SHRISHRIMAL TO NEW NAME **DINESH JETHMAL SHAH**
ADD. : J B PALACE, TIRUPATI NAGAR, TOKARKHADA, SILVASSA-396230, UT OF DNH&DD

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM AMI JAYDIPSINH KATHWADIA TO NEW NAME **AMI AJITSINH MAHIDA**
ADD. : ROW HOUSE NO. A-03, SAI COMPLEX, OPP RATAN PETROL PUMP, DADRA, SILVASSA-396193, UT OF DNH&DD

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGED MY NAME FROM BIJAL DINESHKUMAR KAMLI TO **BIJALBEN DINESHKUMAR KAMLI**
ADDRESS: - 427, KUMBHAR FALIA, VARKUND, NANI DAMAN-396210

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 17/08/2026

**PUBLIC NOTICE**

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0004642026
C. M. A. No. 251/2026

Monali Amratlal & 1 anr ......... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. ........ Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 360/2002, dated: 21/11/2002.

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 18/07/2026

CIVIL JUDGE S.D. COURT

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सुचना
दीव में बाल भवन बोर्ड के विशेष मरम्मत, नवीनीकरण, मज़बूती लाने, पेंटिंग और अन्य संबंधित कार्य।
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 37/2026-2027 (2026_DIUDT_4889_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 27/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 27/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 27/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/333 DATE:- 20/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सुचना
घोगला जेटी - दीव में जेटी रैंप की मरम्मत/रेट्रोफिटिंग और अपग्रेडेशन।
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 37/2026-2027 (2026_DIUDT_4888_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 27/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 27/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 27/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/332 DATE:- 20/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सुचना
नई जगह पर शिफ्ट किए गए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (वनकबारा-दीव) की कंपाउंड वॉल का निर्माण और अन्य संबंधित मरम्मत व नवीनीकरण का काम।
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 37/2026-2027 (2026_DIUDT_4892_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 27/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 27/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 27/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/336 DATE:- 20/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सुचना
दीव जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका का विकास
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 37/2026-2027 (2026_DIUDT_4890_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 27/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 27/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 27/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/334 DATE:- 20/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सुचना
मलाला, दीव में कृषि फार्म की ज़मीन के चारों ओर PVC कोटेड चेन लिंक फेंसिंग लगाना और ठीक करना।
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 37/2026-2027 (2026_DIUDT_4893_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 27/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 27/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 27/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/337 DATE:- 20/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सुचना
जालंधर, दीव में एनेक्सी सर्किट हाउस के सामने गार्डन के लिए स्पेशल टाइप फेंसिंग उपलब्ध कराना
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 37/2026-2027 (2026_DIUDT_4891_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 27/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 27/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 27/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/335 DATE:- 20/07/2026

# विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

विनोद कुमार विक्की

**मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।**

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ड) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार ढरछश-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव–ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

## संपादकीय

### विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दशार्ती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं - कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट- अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी-रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर-कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता।

## चिंतन-मनन

### साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

# साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरूआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है।

साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है।

किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद।

डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है।

सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरूआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है।

शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा।

# ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

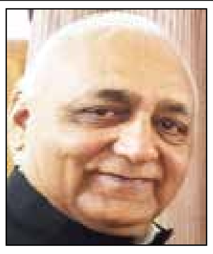

तनवीर जाफ़री

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्लविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्व के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ वैश्विक थानेदार के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे ह्लिलिली पैडह्व फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970झ80 के दशक में चीन की ह्लभविष्य की महाशक्तिह्व के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990झ2000 के दशकआते आते उसे एक ह्लउदयमान महाशक्तिह्व के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5ऋ्व एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने ह्लमेड इन चाइना 2025ह्व जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढी६ शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ह्लविकास साझेदारह्व की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

असली आज़ादी

मंगलवार, 21 जुलाई 2026, दमण।



## संक्षिप्त समाचार

### कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफैक्स में भी रह चुके थे। हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है। सीसीटीवी खंगालना: पुलिस की टीमें इलाके के डिजिटल एविडेंस, सर्विलांस फुटेज और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं। संदेहास्पद गाड़ी: पुलिस को उस गाड़ी की तलाश है, जिससे शव को नाले तक लाया गया। हालांकि, अभी तक इस गाड़ी की कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

### खामेनेई के किस बयान पर ईरान ने दी यूएस को चेतावनी? कहा- बात समझ आ गई हो तो तुरंत भाग जाएं अमेरिकी सैनिक

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और साखहीन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा। खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है।

### पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क; क्या और बिगड़ेंगे हालात?

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

# जुलाई महीने में अमेरिकी हमलों में 50 मौतें; मोजतबा बोले- ट्रंप के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य'

**वाशिंगटन, एजेंसी।** ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ जारी जंग के बीच कभी न भूलने वाले सबक सिखाने की चेतावनी दी है। शनिवार को खामेनेई ने कहा, अगर अमेरिकी सेना इस्लामी गणराज्य पर हमला करना जारी रखती है तो उसे 'अविस्मरणीय अंजाम' भुगतने को तैयार रहना चाहिए। खामेनेई ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को भी 'बेकार और अमान्य' करार दिया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब कुछ घंटे पहले शांति समझौते से जुड़े एक वार्ताकार ने कहा था कि तेहरान लगभग एक महीने पहले हुई डील को खत्म कर रहा है। करीब 112 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है। मोजतबा खामेनेई युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सामने नहीं आए हैं। उनके नाम से जारी बयान सरकारी टेलीविजन पर तब पढ़ा गया। इस बयान से पहले अमेरिका ने ईरान के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए।

**जॉर्डन में ईरानी सेना की कार्रवाई, दो सैनिकों की मौत :** अमेरिकी सेना ने बताया कि शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले में दो सैनिक मारे गए और एक लापता है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह सीधे ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिकों की पहली मौत है। मारे गए सैनिकों की पहचान नहीं बताई गई है।

**मोजतबा की अमेरिका को 'कभी न भूलने वाले सबक सिखाने की चेतावनी' :** ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक नए बयान में चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमले जारी रखता है, तो उसे 'कभी न भूलने वाले सबक' सिखाए जाएंगे। खामेनेई का यह बयान सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया; युद्ध शुरू होने के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को 'बेकार और अमान्य' भी बताया। इससे पहले शनिवार को ईरान के एक वार्ताकार ने कहा था कि तेहरान उस अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को रोक रहा है, जिस पर दोनों देशों ने लगभग एक महीने पहले हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का मकसद युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना था।

**दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला लड़ाकों पर इस्राइल का हमला :** इस्राइली सेना ने कहा है कि उसकी फोर्स ने आज लेबनान के तेबनित इलाके में हिजबुल्लाह लड़ाकों पर हमला किया। एक बयान में, इस्राइली सेना ने दावा किया कि हिजबुल्ला के सदस्य उस इलाके के पास 'ड्रोन उड़ा रहे थे और छिपकर कार्रवाई कर रहे थे' जहां इस्राइली सैनिक तैनात थे; सेना के मुताबिक, यह सीजफायर समझौते का उल्लंघन था। 'सीजफायर के दौरान भी इस्राइल ने लेबनान में लगातार घातक हमले किए हैं। सऊदी अरब ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन के खिलाफ ईरान के 'आक्रामकता' की निंदा की सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह कुवैत, बहरीन और जॉर्डन के खिलाफ ईरान की लगातार बेरहम आक्रामकता की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह ईरान के हमलों के खिलाफ उन देशों द्वारा उठाए गए कदमों का पूरा समर्थन करता है; ये अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। सऊदी अरब का यह बयान कतर और लष्टा प्रमुख जसीम अल-बुदैवी द्वारा खाड़ी क्षेत्र के पड़ोसी देशों पर ईरान के हालिया हमलों की निंदा किए जाने के बाद आया है।

**अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य' - मोजतबा :** ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक लिखित बयान जारी कर कहा है कि ईरान के साथ हुए समझौतों का अमेरिका द्वारा बार-बार उल्लंघन यह दिखाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य' हैं। यह बयान ईरान के प्रसारक ने जारी किया।

**ईरान के होर्मोजगन प्रांत में अमेरिका के तीन हमले- ईरानी मीडिया :** ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर' की रिपोर्ट के अनुसार, आज अमेरिका ने ईरान के होर्मोजगन प्रांत में सिरिक के पास के इलाकों को निशाना बनाते हुए तीन हवाई हमले किए। मेहर की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे हालिया हमला 16:40 बजे हुआ। होर्मोजगन के गवर्नर ने बताया कि किसी भी नागरिक के हताहत होने की खबर नहीं है।

## पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली थी डील': इमरान खान की बहन का दावा, क्या मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश?

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं।

नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी। नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके 'फील्ड मार्शल' का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के 'अब्राहम अकॉर्ड्स' से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

**आतंकी हमला:** अप्रैल 2025 में पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। भारत का पलटवारः भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

## नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शाः एक-दो रुपये के कॉइन पर दिखेगा 7वीं सदी का मठ, क्या है तैयारी

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री' (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सिक्कों के डिजाइन में बदलाव का यह अंतिम फैसला लिया गया, जिसके बाद गृह मंत्रालय और केंद्रीय बैंक को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश भेज दिए गए हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरुप्रसाद पौडेल ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने का साफ मतलब है कि सिक्कों का डिजाइन अब बदल चुका है। सूचना एवं संचार मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए सिक्कों में सुरक्षा के बेहतर इंतजाम और नए डिजाइन शामिल होंगे, जिससे कम मूल्यवर्ग की मुद्रा का प्रबंधन आसान हो जाएगा। नेपाल राष्ट्र बैंक अब मुस्टंग जिले के मारंग गांव में स्थित 7वीं सदी के लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री की तस्वीर को सिक्कों के अग्रभाग पर उकेरने की तैयारी कर रहा है। यह मठ नेपाल का सबसे पुराना मठ माना जाता है। मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मठ का निर्माण गुरु पद्मसंभव ने करवाया था। सिक्कों पर इस मठ की तस्वीर आने के बाद साल 2020 में जारी किया गया नेपाल का विवादित राजनीतिक नक्शा अपने आप सिक्कों से हट जाएगा। आपको बता दें कि नेपाल के संविधान संशोधन के बाद लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों को शामिल कर साल 2078 (विक्रम संवत) में 'चुच्चे' (नकीला) नक्शे वाला सिक्का जारी किया गया था। अब करीब पांच साल बाद इस नक्शे को सिक्कों से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरीः नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों के नए डिजाइन को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दे दी है। नक्शा हटाने का फैसलाः साल 2020 में जारी किए गए नए राजनीतिक नक्शे को अब सिक्कों से हटा दिया जाएगा।

## ईरान की दो-टूक, चाबहार पर यूएस का हमला 'युद्ध अपराध'; जंग-टकराव पर जीसीसी और अरब लीग क्या बोले?

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान ने दो-टूक लहजे में कहा है कि जंग के बीच चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी सेना का हमला स्पष्ट 'युद्ध अपराध' है। इस जंग और टकराव पर और अरब लीग की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। ईरानी सेना की कार्रवाई की निंदा करते हुए अरब और खाड़ी देशों ने बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है। भारत में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी सेना की कार्रवाई को लेकर कहा, 'शनिवार को चाबहार स्थित ईरान के शाहिद कलांतरी बंदरगाह पर अमेरिकी हमले में निगरानी टावर नष्ट हो गया। नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाए जाने की ये घटना 'युद्ध अपराध' है।

शनिवार को एक्स हैंडल पर जारी एक बयान में भारत में ईरानी दूतावास ने कहा, अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए चाबहार बंदरगाह पर हमले किए।दूतावास ने संपत्तियों की रक्षा और अमेरिका के दायित्वों का जिक्र करते हुए कहा, नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, अमेरिका ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा है। सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमेरिका ने संपत्तियों की रक्षा के अपने दायित्वों की भी अवहेलना की है।

बकौल अरब लीग प्रमुख फहमी, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन और इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र पर ईरान के हमलों की बढ़ती गति उसके आक्रामक दृष्टिकोण को दिखाती है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, इसे बर्दाश्त या स्वीकार नहीं किया जा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की। यूएई ने कहा कि ये शत्रुतापूर्ण कार्रवाई 'भाईचारे वाले देशों की संप्रभुता का घोर उल्लंघन' हैं। बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए यूएई ने कहा, ये हमले उनकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हैं। यूएई ने आत्मरक्षा के सभी उपायों का समर्थन करने की बात भी कही।

कुवैत में बिजली और पानी से जुड़े नेटवर्क को सीधे निशाना बनाए जाने का जिक्र करते हुए कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा, हमले सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुके हैं। दोहा ने कहा, ईरान के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। कतर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2817 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा, मौजूदा सैन्य अभियान उकसावा है जो खतरनाक तरीके से आगे बढ़ रहा है। इससे तनाव को नियंत्रित करने के प्रयासों को झटका लगेगा। ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर चुके कतर ने एक बार फिर दोनों पक्षों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करते हुए राजनयिक वार्ता बहाल करने की अपील भी की। मिस्र ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन को निशाना बनाने वाली ईरानी आक्रामकता की निंदा करते हुए कहा, इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है। कुवैत ने भी तेल संयंत्रों, बिजली स्टेशनों और जल संयंत्रों पर ईरानी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की। अमेरिका से शांति समझौता खत्म?ः ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की धमकी, कहा-सिखाएंगे कभी न भूलने वाला सबक गौरतलब है कि करीब 110 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है।

## ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं': शांति समझौता टूटने पर भड़के मोजतबा खामेनेई, दे डाली ये धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में हुए शांति समझौते का उल्लंघन किया है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नही है। यह पूरी तरह से बेकार और अमान्य हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, खामेनेई ने देश की जनता के नाम भेजे एक संदेश में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने समझौते को तोड़कर अपना असली और बेनकाब चेहरा दिखा दिया है। यह अमेरिका के झूठ, अतार्किक, अविश्वसनीय और बुरे स्वभाव का एक और ठोस सबूत है। इसके साथ ही खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने युद्ध भड़काने की कोशिशें जारी रखीं, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी हमले जारी रहे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएगा जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगा। यह तनाव उस शांति समझौते के बावजूद बढ़ा है, जिसके तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए बातचीत करनी थी। इस समझौते पर 18 जून को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे।

ईरान के कानूनी और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने शनिवार को एक बड़ा एलान किया। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने इस समझौते के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी करना बंद कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर समझौते के सभी वादों को तोड़ने या निलंबित करने का आरोप लगाया। गरीबाबादी ने साफ किया कि अब बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान का पूरा ध्यान अपनी रक्षा करने पर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों का करारा जवाब दिया जा चुका है और अमेरिका को समझदारी दिखाते हुए दूसरा रास्ता चुनना चाहिए। बता दें कि, पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों में सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचों पर कई हवाई हमले किए हैं। अमेरिका का दावा है कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए किए गए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं। शनिवार को कुवैत और बहरीन ने बताया कि उनके हवाई रक्षा तंत्र ने ईरान के हवाई हमलों को रोका है। इन हमलों में कुवैत के एक मुख्य तेल केंद्र और बिजली उत्पादन व पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले संयंत्र को नुकसान पहुंचा है।

## सैनिकों की मौत से बौखलाया अमेरिका, ईरान को सजा देने के लिए नए सिरे से हवाई हमले

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के हमले में अपने सैनिकों की मौत से बौखलाए अमेरिका ने नए सिरे से एयर स्ट्राइक की शुरुआत की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक ईरान को दंडित करने के लिए नए सिरे से हवाई हमले किए जा रहे हैं। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें ईरान और अमेरिका के टकराव से पश्चिम एशिया में उपजे तनाव से जुड़े तमाम अपडेट्स ईरान के एक बड़े नेता इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक उनके सुप्रीम लीडर के तेवरों को समझ लें, तो वे एक सेकंड गंवाए बिना वहां से भाग खड़े होंगे। हाल ही में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता टूट गया है। इसके बाद से दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर बमबारी की है, तो ईरान समर्थित गुटों ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने भी अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अमेरिका को 'महाशैतान' कहते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दस्तखत को पूरी तरह रद्दी बताया है। खामेनेई का कहना है कि अमेरिका कभी अपनी बात पर नहीं टिकता और हमेशा धोखेबाजी करता है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपने हमले नहीं रोके, तो ईरान और उसके साथी देश अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की जा रही है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैनिकों की मौत दुखद है, लेकिन ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप के बयान को खारिज करते हुए कहा कि उनके हस्ताक्षर की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर हाल में हुए समझौते को तोड़ने का आरोप भी लगाया। कुवैत का कहना है कि ईरान के हवाई हमले में उसकी सरकारी तेल कंपनी की एक इकाई को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी बिजली और पानी के एक संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया गया था। इराक के एरबिल शहर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश हुई। इसके बाद वहां हवाई सुरक्षा प्रणाली तुरंत सक्रिय कर दी गई।

## तलवार हमारी और गला आपका होगा': कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन को दी चेतावनी; क्या ईरान में बढ़ेगा सत्ता संघर्ष?

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है। खामेनेई के जनाजे में दिखा गुस्सा अब ईरान की राजनीति तक पहुंच गया है। नेताओं पर विश्वासघात, तख्तापलट की साजिश और आत्मसमर्पण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

**जनाजे में ही शुरू हुआ विरोध :** जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने 'समझौता करने वालों की मौत हो' जैसे नारे लगाए। विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें 'देश बेचने वाला गद्दार' कहा। इसके बाद उन्हें वहां से जाना पड़ा। इन घटनाओं से साफ हुआ कि ईरान के कट्टरपंथी गुटों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका मानना है कि देश के नेताओं ने खामेनेई की क्रांतिकारी सोच छोड़कर अमेरिका के साथ समझौता किया, जबकि उन्हें उनकी मौत का बदला लेना चाहिए था।

**नए सर्वोच्च नेता कहां हैं:** सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने अपने पिता के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। लेकिन अब तक बहुत कम सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। उनकी

चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं। सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोजतबा की लगातार गैरमौजूदगी का मतलब है कि लोगों की उन तक पहुंच नहीं है। इसी वजह से गालिबाफ और उनके सहयोगी देश की कमान संभालते दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण कट्टरपंथी गुट गालिबाफ और पेजेशकियन पर मोजतबा के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं।

**तख्तापलट के आरोप :** ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। कट्टरपंथियों का कहना है कि ईरान के नेता संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं, अमेरिका से बातचीत के दौरान सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और देश की क्रांतिकारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। एक अन्य कट्टरपंथी सांसद कामरान गजनफारी ने आरोप लगाया कि सत्ता को पारंपरिक संस्थाओं से हटाकर दूसरे संस्थानों की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भूमिका बढ़ाई जा रही है, जबकि सर्वोच्च नेता और संसद की भूमिका कम की जा रही है। उनके अनुसार, यही सियासी तख्तापलट है, जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी।

# रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

## इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

**लंदन।** इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

**रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी**

# कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

**नई दिल्ली।** लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनों से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओं की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

# संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

**नई दिल्ली।** भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

## संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

**संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला–** फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़बोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

# टूट गए लियोनल मेसी

## स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

**नई दिल्ली (एजेंसी)** मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

**स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी-** एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

**अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी–**बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

### ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

### मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

### मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

# एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन गलव्स, ये है FIF; वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

# स्पेन बना विश्व विजेता

**फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी**

**नई दिल्ली।** लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

### स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

## अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

**लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत**

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1–0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्स्टीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

### स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0–0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।

# कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

**कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।**

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

# कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

# हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ' 'मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। ' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ' 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ' 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

# प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

## मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

# अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

# 23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

**साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।**

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनोमाघरों में रिलीज होगी ।फल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलपति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

# वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

## कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

## बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

## सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोटी दमण में एसएमसी कमेटी का हुआ गठन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 जुलाई। शिक्षा विभाग दमण के निर्देशानुसार सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोटी दमण में 18 जुलाई को एसएमसी कमेटी का गठन किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में अभिभावकों ने उपस्थित रहकर अपना सहयोग दिया। विद्यालय की इंचार्ज प्रिंसिपल रसिला टंडेल, सहायक अध्यापिका प्रमिला सोलंकी एवं अध्यापक भरत प्रजापति ने एसएमसी का क्या-क्या रोल है उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद अनेक अभिभावक एसएमसी कमेटी का सदस्य बनने के लिए आगे आए। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी के लिए चाय-नास्ता की भी व्यवस्था की गई थी। अंत में आभार व्यक्त करने के साथ ही कार्यक्रम का समापन किया गया।

## एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलवासा के एनएसएस इकाई ने किया वृक्षारोपण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 20 जुलाई। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायी पहल एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलवासा (मराठी माध्यम) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत 100 पौधों का वृक्षारोपण सिली के वन क्षेत्र में वन विभाग के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए तथा उनके नियमित संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के स्टेट एनएसएस अधिकारी गौरांग वोरा के मार्गदर्शन में तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या विद्या खरे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुनील पगार द्वारा किया गया। उन्होंने स्वयंसेवकों को केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्मिता पाटिल, कामिनी पाटिल, विलास रायमले, योगेश कचकुरे, विद्यालय के कर्मचारीगण तथा वन विभाग के कर्मचारी एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और स्वस्थ जीवन के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना तथा उनकी देखभाल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति फैलाना तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना है।

## वाहन ट्रांसफर और एनओसी के लिए आधार लिंकिंग अनिवार्य

■ 15 जुलाई 2026 से देशभर में लागू नई व्यवस्था, वाहन मालिकी हस्तांतरण प्रक्रिया होगी अधिक सुरक्षित और पारदर्शी

गांधीनगर (ईएमएस)। देशभर में वाहन स्वामित्व हस्तांतरण और नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) प्राप्त करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सरल बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने परिवहन पोर्टल में एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू किया है। नई व्यवस्था के तहत अब वाहन स्वामित्व परिवर्तन तथा वाहन को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के मामलों में परिवहन पोर्टल पर आधार कार्ड लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है।

यह निर्णय गुजरात सहित पूरे देश में 15 जुलाई 2026 से लागू कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि वाहन मालिकों के रिकॉर्ड और आधार कार्ड से संबंधित जानकारी में किसी भी प्रकार की विसंगति या त्रुटि न रहे, इसके लिए इन दोनों महत्वपूर्ण सेवाओं में यह सुधार आवश्यक था।

नई प्रक्रिया के अनुसार वाहन स्वामित्व परिवर्तन या एनओसी के लिए आवेदन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को परिवहन पोर्टल पर अपने आधार कार्ड का विवरण दर्ज करना होगा। यदि आधार कार्ड की जानकारी और परिवहन पोर्टल पर उपलब्ध रिकॉर्ड पूरी तरह मेल खाते हैं, तभी वाहन स्वामित्व परिवर्तन की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी की जा सकेगी। यदि आधार कार्ड और परिवहन पोर्टल में उपलब्ध विवरणों के बीच कोई अंतर पाया जाता है, तो आवेदक को अपने ड्राइविंग लाइसेंस का विवरण भी दर्ज करना होगा। इसके बाद ही प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। इसके अलावा, यदि वाहन की आरसी बुक (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) और ड्राइविंग लाइसेंस में दर्ज जानकारी में भी कोई विसंगति पाई जाती है, तो ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेजों और प्रमाणों के साथ संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सरकार के अनुसार, नई ऑनलाइन आधार सत्यापन व्यवस्था से वाहन हस्तांतरण की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज, सुगम और पारदर्शी बनेगी। साथ ही वाहन मालिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा भविष्य में होने वाली धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वाहन ट्रांसफर और अनधिकृत स्वामित्व परिवर्तन जैसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी। नई व्यवस्था को डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे वाहन संबंधी सेवाओं में जवाबदेही बढ़ेगी और नागरिकों को अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय सेवाएं प्राप्त होंगी।

## चांदीपुरा वायरस को लेकर हाई अलर्ट: 63 संदिग्ध मामलों में 12 की पुष्टि, स्वास्थ्य मंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

■ प्रभावित जिलों में सघन निगरानी, हजारों घरों की स्क्रीनिंग जारी; बच्चों में तेज बुखार, दौरे या बेहोशी के लक्षण दिखें तो तुरंत अस्पताल पहुंचने की अपील

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात में चांदीपुरा वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जिलों में सामने आए मामलों की भौगोलिक स्थिति, वायरस के फैलने के कारणों, प्रयोगशाला जांच की प्रगति तथा प्रशासन द्वारा उठाए गए रोकथाम संबंधी कदमों की विस्तृत समीक्षा की गई। राज्य में अब तक चांदीपुरा वायरस के 63 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 12 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें 9 मरीज गुजरात तथा 3 मरीज राजस्थान के हैं। कुल 63 संदिग्ध नमूनों में से 55 की जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जबकि 8 नमूनों की रिपोर्ट अभी आना बाकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गुजरात में अब तक सामने आए पॉजिटिव मामलों में पंचमहल और खेड़ा जिले में दो-दो मामले, जबकि साबरकांठा, मेहसाणा, भरूच, भावनगर और अहमदाबाद नगर निगम क्षेत्र में एक-एक मामला दर्ज किया गया है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी कोई मामला सामने आए, वहां तत्काल संबंधित क्षेत्र में व्यापक निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही वायरस के संक्रमण के स्रोत का पता लगाने के लिए मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री और केस हिस्ट्री की गहन जांच करने के निर्देश भी दिए गए। प्रभावित क्षेत्रों में कच्चे और पक्के मकानों सहित हजारों घरों में व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया गया है। वायरस के वाहक माने जाने वाले सैंडफ्लाई और अन्य कीटों पर नियंत्रण के लिए कच्चे मकानों तथा पशुओं के बाड़ों के आसपास बड़े स्तर पर डस्टिंग अभियान युद्धस्तर पर संचालित किया जा रहा है। राज्य की सभी जिला सिविल अस्पतालों और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में बच्चों के लिए आईसीयू बेड, आवश्यक दवाइयों और वेंटिलेटर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने बताया कि सामान्यतः मानसून से लेकर सितंबर माह तक चांदीपुरा वायरस की सक्रियता अधिक रहती है। चूंकि यह वायरस मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करता है, इसलिए यदि किसी बच्चे में अचानक तेज बुखार, दौरे पड़ना, उल्टी-दस्त या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो बिना समय गंवाए तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल अथवा बाल रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हैं। ऐसे में घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सावधानी बरतते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए।

## पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में मौतों का आंकड़ा 10 पहुंचा, इलाज के दौरान एक और मजदूर ने तोड़ा दम

■ चार घायल अब भी अस्पताल में भर्ती, कई की हालत नाजुक; हादसे की जांच तेज

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के रामोल इलाके में स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से जुड़ी एक और दुखद खबर सामने आई है। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे एक और मजदूर ने इलाज के दौरान सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस दर्दनाक हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड और विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए एक पुरुष मजदूर को तत्काल इलाज के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह करीब 90 प्रतिशत तक झुलस गया था। डॉक्टरों की लगातार कोशिशों और गहन उपचार के बावजूद देर रात उसकी मौत हो गई। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक और चिकित्सकों की टीम अन्य घायलों को बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। हादसे में घायल चार अन्य लोग अभी भी सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से कुछ की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। इधर, पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम पटाखा फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक अनुमतियों को लेकर गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हादसे के वास्तविक कारणों और संभावित लापरवाही के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

TORRENT POWER | DNHDD

**बिजली बंद होने की सूचना**

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहको को मिलने वाली बिजली सुबह १०:०० से शाम ५.०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरु करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

| दिनांक | सबस्टेशन | फीडर | क्षेत्र का नाम |
|---|---|---|---|
| २४/०७/२०२६ शुक्रवार | दादरा | ६६/११ केवी २० MVA पावर ट्रान्सफोर्मर नं.४ | डेमनी गांव, डेमनी रोहित फलिया, डेमनी स्कूल फलिया, सिद्धा आई.ई., नेशनल फाइबर, ओआईडीसी, डब्ल्यूटीपी, बड़ौदा पैकेजिंग गली, सीएमसी, देवाशीष पॉलिमर रोड, विमल इन्ड., हेम इन्ड., रेडकॉम गली, मारुति पॉलीफिल्म गली, कलापी आई.ई., राजीव प्लास्टिक गली, प्रिंस बफिंग इन्ड., भगवती तीर्थ इन्ड., खांडेवल रोड, सिद्धिविनायक इन्ड. गली, स्टार मेटल इन्ड., रिद्धि सिद्धि इन्ड. रोड, पंचायत रोड, ग्लासवुड रियालिटी रोड |

**असुविधा के लिए खेद है**

**आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ**
**आपके परिवार की सुरक्षा का वादा**

अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें
और सुरक्षित रहें

एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)